



DR. VASHISHTHA NARAYAN SINGH (POSTHUMOUS)

Dr. Vashishtha Narayan Singh was an Indian academic. He taught Mathematics at various institutes during the 1960s and 1970s.

2. Born on 2nd April, 1946 to Shri Lal Bahadur Singh, a police constable, and Smt. Lahaso Devi in the Basantpur village of the Bhojpur district in Bihar, Dr. Singh was a child prodigy. He received his primary education from village school and secondary education from Netarhat Residential School. He received his college education from Patna Science College. He received recognition as a student when he was allowed by Patna University to appear for examination in the first year of its three-year B.Sc (Hons.) Mathematics course and later M.Sc examination the next year. He joined the University of California, Berkeley in 1965 and received a Ph.D in Reproducing Kernels and Operators with a Cyclic Vector (Cycle Vector Space Theory) in 1969 under doctoral advisor John L. Kelley.

3. After receiving his Ph.D, Dr. Singh joined the University of Washington at Seattle as an Assistant Professor, worked at NASA and then returned to India in 1971 to teach at Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur. After eight months, he joined Tata institute of Fundamental Research (TIFR), Bombay where he worked on a short-term position. Later, he was appointed as a faculty at the Indian Statistical Institute, Kolkata.

4. Dr. Singh married Smt. Vandana Rani Singh in 1973 and they divorced in 1976. He was later diagnosed with Schizophrenia. With his condition worsening in the late 1970s, he was admitted to the Central Institute of Psychiatry in Kanke (now in Jharkhand). He remained there until 1985. In 1987, he returned to his village of Basantpur. He disappeared during his train journey to Pune in 1989 and was found four years later in 1993 in Doriganj near Chhapra of Saran district. He was then admitted to the National Institute of Mental Health and Neurosciences (NIMHANS), Bangalore. In 2002 and 2009, he was treated at the Institute of Human Behaviour and Allied Sciences (IHBAS), Delhi.

5. In 2014, Dr. Singh was appointed as a visiting professor at Bhupendra Narayan Mandal University (BNMU) in Madhepura.

6. Dr. Singh passed away on 14th November, 2019.





डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह (मरणोपरांत)

डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह एक भारतीय शिक्षाविद थे। उन्होंने 1960 और 1970 के दशक के दौरान अनेक संस्थानों में गणित का अध्यापन कार्य किया।

2. 2, अप्रैल 1946 को बिहार के भोजपुर जिले के बसंतपुर गांव में एक पुलिस कांस्टेबल श्री लाल बहादुर सिंह और श्रीमती लहासो देवी के घर जन्मे, डॉ. सिंह बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने गांव के स्कूल से अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की और नेतरहाट रेजिडेंशियल स्कूल से माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने पटना साइंस कॉलेज से कॉलेज स्तर की शिक्षा हासिल की। उन्हें उस समय एक विद्यार्थी के रूप में सराहना प्राप्त हुई जब उन्हें पटना विश्वविद्यालय द्वारा अपने तीन वर्षीय बीएससी ऑनर्स की प्रथम वर्ष में परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने 1965 मे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में प्रवेश लिया और 1969 में डॉक्टरल सलाहकार जॉन एल. केली के अधीन ए साइक्लिक वेक्टर (साइकल वेक्टर स्पेस थ्योरी) के साथ रिप्रोड्यूसिंग कर्नेल्स और ऑपरेटर्स में पीएच.डी प्राप्त की।

3. डॉ. सिंह ने अपनी पीएच.डी प्राप्त करने के बाद सिएटल में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर कार्य करना शुरू किया, नासा में काम किया और उसके बाद वह 1971 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में अध्यापन कार्य के लिए भारत लौट आए। 8 महीनों के बाद, उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई में कार्यग्रहण किया जहां उन्होंने अल्पकालिक पद पर कार्य किया। तदुपरांत, उनकी नियुक्ति भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता के फैकल्टी के रूप में हुई।

4. डॉ. सिंह ने 1973 में श्रीमती वंदना रानी सिंह से विवाह किया और 1976 में उनका तलाक हो गया। बाद में वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित हो गए। 1970 के दशक के अंत में उनकी दशा खराब होने पर उन्हें कांके (झारखंड) के सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ सायकेट्री में भर्ती कराया गया। वह वहां 1985 तक भर्ती रहे। 1987 में वह अपने गांव बसंतपुर लौट आए। वह 1989 में रेल से पुणे जाते हुए कहीं लापता हो गए और 4 साल के बाद 1993 में सारण जिले के छपरा के नजदीक डोरीगंज में दिखाई दिए। इसके बाद उन्हें नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंस (निमहांस) में भर्ती कराया गया। 2002 और 2009 में उनका उपचार इंस्टिट्यूट ऑफ़ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली में किया गया।

5. 2014 में, डॉ. सिंह की नियुक्ति मधेपुरा के भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय में अतिथि प्रोफेसर के रूप में हुई।

6. डॉ. सिंह 14 नवंबर, 2019 को देहावसान हो गया।